हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष समाचार डायरी

हमीरपुर: 23 जनवरी, 2026

बीपीएमयू गोहर में SHEP कार्यक्रम के तहत किसानों को दिया गया बाजार-उन्मुख खेती का प्रशिक्षण

मंडी: ब्लॉक परियोजना प्रबंधन इकाई (BPMU) गोहर में जाइका कृषि परियोजना के अंतर्गत स्मॉल हॉर्टीकल्चर एम्पावरमेंट एंड प्रमोशन प्रोग्राम (SHEP) से संबंधित एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को SHEP कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना तथा उन्हें बाजार-उन्मुख खेती के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान किसानों को बताया गया कि SHEP का मुख्य उद्देश्य किसानों को स्थानीय बाजार एवं एपीएमसी से जोड़कर खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। किसानों को यह समझाया गया कि बाजार की मांग के अनुसार फसल का चयन, लागत और लाभ का आकलन तथा सही समय पर सही बाजार में बिक्री करके वे अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। इस अवसर पर एसएमएस डॉ. खूब राम ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में खेती तभी सफल हो सकती है, जब किसान बाजार की जरूरत को समझकर फसल उगाए। उन्होंने किसानों को "उगाओ और बेचो" की बजाय "बेचने के लिए उगाओ" की सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि SHEP कार्यक्रम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में बीपीएम डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि जाइका कृषि परियोजना के अंतर्गत SHEP कार्यक्रम किसानों को स्थानीय बाजार और एपीएमसी से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि BPMU गोहर की टीम किसानों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है, ताकि किसान सही जानकारी के साथ खेती करें और बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों ने फील्ड विज़िट के माध्यम से फसलों की स्थिति, उत्पादन तकनीकों और बाजार-उन्मुख खेती के व्यावहारिक पहलुओं को समझा। वहीं एपीएमसी भ्रमण के दौरान किसानों को तौल, नीलामी प्रक्रिया, गुणवत्ता मानक और विपणन व्यवस्था की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एचईओ प्रियंका, एटीएम मुरारी लाल, हार्वेल एक्रा कंपनी के प्रतिनिधि रविंदर कुमार, हाइब्रिड सीड प्लांटेशन की प्रतिनिधि रिया रावत तथा हिल एग्री ऐप के प्रतिनिधि सौरव सैनी ने भी किसानों को विभिन्न विषयों पर जानकारी दी और अपने-अपने विभागीय अनुभव साझा किए।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एफआईएस गवाड़, कंसा खड्ड-पलहोटा, सुरथी-थाची तथा गवार से मसवारी क्षेत्रों से लगभग 100 किसानों ने भाग लिया। किसानों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई और SHEP कार्यक्रम में गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रम के आयोजन में BPMU गोहर का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा और किसानों को कार्यक्रम से जोड़ने में सहयोग प्रदान किया। अंत में किसानों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा भविष्य में SHEP गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।